पाठ ४ माँ

कविता का सारांश

इस कविता में एक बच्चा अपनी माँ के प्रति अपने प्रेम और आदर का इजहार कर रहा है। वह अपनी माँ को भोली-भाली और प्यारी बताता है। वह कहता है कि उसकी माँ के दिल की मिठास दुनिया की किसी भी चीज़ से न्यारी है। वह अपनी माँ को अपना प्रेरणास्त्रोत बताता है। वह कहता है कि उसकी माँ से उसे जोश, प्रकाश, साहस और विश्वास मिलता है।

इस कविता का सारांश इस प्रकार है:
एक पुत्र अपनी माँ का भोलापन, प्यार, मिठास और प्रेरणादायक व्यक्तित्व की प्रशंसा करता है।

शब्दार्थ:-

भोली-भाली (Innocent) : निष्पाप, सरल, सीधी-सादी
प्यारी-प्यारी (dear-lovely) : स्नेही, ममतालु, दयालु
मिसरी (Sweet) : शहद, मीठा, स्वादिष्ट
न्यारी (lovely) : अलग, अनोखी, विशेष
जग (world) : जगत, संसार, दुनिया
जोश (Passion) : उत्साह, उमंग, उत्तेजना
प्रकाश (Light) : उजाला, ज्ञान, बोध
साहस (Bravery) : हिम्मत, वीरता, पराक्रम
विश्वास (faith) : भरोसा, विश्वास, श्रद्धा

प्रश्न-अभ्यास

शब्दों का खेल

चंदबिंदु का कमाल

'मा' के ऊपर चंदबिंदु लगाने से 'माँ' हो गया। आइए, कुछ और शब्द देखते हैं।

1. नीचे दिए गए चित्रों को देखिए, शब्दों को पढ़िए और उन्हें लिखने का प्रयास कीजिए-

	आँख	आँख
	बाँस	बाँस
	दाँत	दाँत
	बाँसुरी	बाँसुरी
	साँप	साँप

2. माँ कविता मैं से कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। उनका प्रयोग करते हुए अपने परिवार के सदस्यों के लिए दो-चार पंक्तियाँ लिखिए-

भोली-भाली, प्यारी-प्यारी, दिल से सच्ची, जग से न्यारी

उत्तर-

मेरी प्यारी माँ,
तुम हो दिल से सच्ची,
जग से न्यारी,
तुम्हारे बिना मैं क्या करूँगी?

मेरे प्यारे पिताजी,
तुम हो भोली-भाले,
पर दिल से बड़े सच्चे,
तुम्हारे बिना मेरा घर अधूरा है।

मेरे प्यारे भाई-बहन,
तुम सब हो प्यारे,
तुम्हारी वजह से मेरा परिवार है सदा खुश,
तुम्हारी खुशी ही मेरी खुशी है।